आखिरी जांच: 6 अक्टूबर 2026 · Department of Animal Husbandry and Dairying (DAHD)

Livestock Health and Disease Control Program (LHDCP)

एक केंद्र प्रायोजित योजना जो टीकाकरण अभियान, दरवाजे पर पशु चिकित्सा सेवा और सस्ती जेनेरिक पशु दवाओं के जरिए गाय, भैंस, भेड़, बकरी और सुअर को बड़ी बीमारियों से बचाती है।

क्या मिल सकता है

केंद्र सरकार खुरपका-मुँहपका और ब्रूसेलोसिस के टीके और कान के टैग खरीदकर राज्यों को देती है, और टीकाकरण अभियान के लिए 100% केंद्रीय धन देती है। योजना में भेड़-बकरी में पीपीआर और सुअर में क्लासिकल स्वाइन फीवर का टीकाकरण, टोल-फ्री नंबर 1962 पर बुलाई जाने वाली चलित पशु चिकित्सा इकाइयाँ, पीएम-किसान समृद्धि केंद्रों और सहकारी समितियों से जेनेरिक पशु दवाएँ, और पशु मारे जाने पर किसानों को मुआवजा देने में राज्यों की मदद भी शामिल है।

किसके लिए है

गाय, भैंस, भेड़, बकरी या सुअर पालने वाले पशुपालक और किसान। सेवाएँ राज्यों के पशुपालन विभाग देते हैं।

मुख्य शर्तें

- टीकाकरण से पहले पशुपालक का नाम, पता, आधार नंबर और मोबाइल नंबर के साथ भारत पशुधन पोर्टल पर पंजीकरण होता है, जिसकी पुष्टि पशुपालक के मोबाइल पर आए OTP से होती है।
- गाय और भैंस को एक-एक करके कान का टैग लगाया जाता है, जबकि भेड़, बकरी और सुअर का झुंड के रूप में कम से कम एक टैग के साथ पंजीकरण होता है।
- खुरपका-मुँहपका का टीका 4 महीने या उससे बड़े गोवंशीय पशुओं को लगता है, और 4 महीने से छोटे बछड़े, बीमार पशु और गर्भावस्था के अंतिम चरण वाले पशु अभियान में छूट जाते हैं।
- ब्रूसेलोसिस का टीका 4 से 8 महीने की मादा बछड़ियों को एक बार लगता है।
- खुरपका-मुँहपका का टीकाकरण हर छह महीने के अंतर पर दोहराया जाता है।

दस्तावेज़

- भारत पशुधन पोर्टल पर पंजीकरण के लिए पशुपालक की जानकारी: नाम, पता, आधार नंबर और मोबाइल नंबर

आवेदन कैसे करें

1. अलग से आवेदन नहीं करना होता। राज्य का पशुपालन विभाग गाँवों में टीकाकरण के दौर चलाता है।
2. राज्य गाँव-वार टीकाकरण कार्यक्रम, टीका लगाने वाले के नाम और संपर्क के साथ, अपनी वेबसाइट पर डालते हैं, इसलिए अपने स्थानीय पशु चिकित्सा कार्यालय से कार्यक्रम पूछें।
3. भारत पशुधन पोर्टल पर पंजीकरण के लिए टीकाकरण दल को अपनी पशुपालक जानकारी दें।
4. जिन राज्यों में चलित पशु चिकित्सा इकाइयाँ चलती हैं, वहाँ दरवाजे पर आपातकालीन इलाज के लिए किसान टोल-फ्री नंबर 1962 पर फोन करते हैं।

स्थिति

चालू

आधिकारिक स्रोत: https://dahd.gov.in/schemes-programmes/lhdcp
आधिकारिक PDF: https://dahd.gov.in/sites/default/files/2025-05/OperationalGuidelinesforLHDCP.pdf
Labh Lo पेज: https://labhlo.in/hi/schemes/central/lhdcp-livestock-health-disease-control/

Labh Lo सारांश। यह सरकारी दस्तावेज़ नहीं है।
Labh Lo एक स्वतंत्र जानकारी देने वाला मंच है। यह PDF एक सारांश है। यह सरकारी दस्तावेज़ नहीं है। पात्रता और मंज़ूरी का अंतिम फैसला सरकारी विभाग करता है। आवेदन से पहले आधिकारिक स्रोत जांचें।